ओ मारुती ओ हनुमंता तेरा एक सहारा

ओ मारुती ओ हनुमंता तेरा एक सहारा दूर करो दु:ख सारा।।
बात पुरानी है एक कहानी है,
सूरज को तूने मुख में लिया था,
देवो ने की थी अर्जी,
चली थी तेरी मर्जी,
छोड़ दिया तूने रवि को मुख से,
मिटा दिया अँधियारा दूर करो दु:ख सारा,
ओ मारुती ओ हनुमंता दूर करो दु:ख सारा
तेरा एक सहारा...

पवन के प्यारे तुम अंजनी दुलारे तुम,
राम की आज्ञा पाकर तुमने,
सारा काम सवारा शंकर के अवतारा,
अमर अजर की आशीष पाई,
मात सिया के द्वारा दूर करो दु:ख सारा,
ओ बालाजी ओ हनुमंता दूर करो दु:ख सारा
तेरा एक सहारा.....

महिमा तेरी ही बहुत है संतो ने गाई,
किसको बखाने किसको छोड़े,
समझ हमे नही आता ओ रे भाग्य विधाता,
देरी करो ना जल्दी से तुम देदो आके सहारा,

दूर करो दु:ख सारा
ओ बालाजी ओ हनुमंता दूर करो दु:ख सारा
तेरा एक सहारा

Source:
https://www.bharattemples.com/oo-maruti-aao-hanumat-tera-ek-sahara-dur-karo-dukh-saara/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw